भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 2883
उत्तर दिनांक 13/08/2026 को दिया गया

ट्रॉम्बे फसल किस्मों को अपनाया जाना

2883. श्री नरेश बंसल

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या सरकार द्वारा तटीय क्षेत्रों में मृदा लवणता की समस्या से निपटने के लिए ट्रॉम्बे फसल किस्मों के विकास हेतु कोई कदम उठाए गए हैं;

(ख) यदि हाँ, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश के किन-किन राज्यों एवं जिलों में लवणीय तटीय मृदा वाले क्षेत्रों में ऐसी लवण-सहिष्णु ट्रॉम्बे फसल किस्मों को अपनाया गया है अथवा उन्हें शुरू किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) से (ग) हां, आंध्र प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे अधिकांश राज्यों में तटीय लवणता एक स्थायी समस्या है। विकिरण प्रौद्योगिकी का उपयोग ऐसी जलवायु-प्रतिरोधी फसल किस्मों को विकसित करने के लिए किया गया है जो लवणता, सूखा और गर्मी जैसे अजैविक प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति सहनशीलता रखते हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की संघटक इकाई भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) ने महाराष्ट्र की तटीय लवणीय मिट्टी में खेती के लिए ट्रॉम्बे कोंकण खारा जैसी धान की किस्म विकसित की है। इसी तरह, डीएई ओडिशा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के साथ मिलकर धान में लवणीयता सहित अधिकांश क्षेत्रीय समस्याओं को दूर करने के लिए अनुसंधान गतिविधियां कर रहा है।

*****